मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 171, मुंबई, शनिवार, 19 अगस्त, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

ईडी की रडार पर शरद पवार के वफादार!

राजमल लखीचंद ज्वैलर्स समेत कई कंपनियों पर छापेमारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग ने महाराष्ट्र एनसीपी के 15 वर्षों तक कोषाध्यक्ष रहे ईश्वरलाल जैन की संपत्तियों पर छापेमारी की है। जलगांव शहर के पूर्व एनसीपी सांसद जैन की प्रसिद्ध राजमल लखीचंद ज्वैलर्स समेत उनकी मुंबई, नासिक समेत विभिन्न स्थानों पर स्थित छह कंपनियों पर छापेमारी की गई। जैन को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) संस्थापक शरद पवार का करीबी माना जाता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार के साथ हैं ईश्वरलाल

एनसीपी में फूट के बाद भी पूर्व सांसद ईश्वरलाल जैन ने शरद पवार का समर्थन किया। जबकि उनके बेटे व पूर्व विधान परिषद विधायक मनीष जैन ने शरद पवार का साथ छोड़ दिया और अजित पवार के साथ खड़े हो गये। ईश्वरलाल जैन लंबे समय तक एनसीपी के पूरे प्रदेश के कोषाध्यक्ष रहे। ईश्वरलाल जैन जलगांव से हैं और उत्तरी महाराष्ट्र के शक्तिशाली राजनेताओं में गिने जाते हैं। वह पहले कांग्रेस में थे। लेकिन 1999 में पवार द्वारा एनसीपी की स्थापना के बाद वह एनसीपी में शामिल हो गए। 2010 में जैन राज्यसभा के लिए चुने गए, जबकि उनके बेटे मनीष विधान परिषद के स्वतंत्र सदस्य थे।

हाल ही में एनसीपी के वरिष्ठ नेता ईश्वरलाल जैन ने बीजेपी नेता गिरीश महाजन के प्रति अपना समर्थन जताया था

बम लेकर तैयार रहो...

...जनप्रतिनिधियों के आते ही हमला करो, महाराष्ट्र के किसानों से बोले बीआरएस नेता

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का महाराष्ट्र में जनाधार बढ़ रहा है। कई बड़े नेता बीआरएस में शामिल हो रहें है। इस बीच, बीआरएस नेता और पूर्व विधायक राजू तोडसाम अपने एक विवादित भाषण के चलते चर्चा में आ गए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राजू तोडसाम ने क्या कहा?

राजू तोडसाम ने कहा, किसानों को भारी नुकसान हुआ। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि किसानों की समस्या पर न तो पालक मंत्री ने ध्यान दिया और न ही विधायकों ने.... जिले का कोई भी नेता नदी, नाले, खेत या बांध पर हालत देखने नहीं गया। नेता कहीं नहीं गये। हम स्वयं किसान, खेतिहर मजदूर, शोषित, पीड़ित, वंचित, बेरोजगार इसके लिए जिम्मेदार हैं। बीआरएस नेता ने आगे कहा, अगर इस ज़िम्मेदारी को आवाज देनी है, तो इसके बाद इस क्षेत्र के पालक मंत्री हो या कोई जन प्रतिनिधि...बमों के साथ तैयार रहो।

रायगढ़ भूस्खलन

एक महीने बाद भी इरशालवाडी के 57 ग्रामीण है लापता

144 लोग कंटेनर में बिता रहे जीवन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खालापुर तहसील के इरशालवाडी गांव में पिछले महीने हुए भूस्खलन में अब तक 29 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि इस भयावह त्रासदी के बाद भी 57 ग्रामीणों का कुछ पता नहीं चला है। माना जा रहा है कि दर्जनों ग्रामीण मलबे में दबे हुए हैं। हालांकि इरशालवाडी में सर्च ऑपरेशन कब का बंद हो चुका है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में कैसिनो एक्ट रद्द!

100 रुपये में फिर मिलेगी राशन किट

शिंदे सरकार ने लिए कई बड़े फैसले

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे की अध्यक्षता में आज हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिये गये। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी मौजूद थे। इसमें कैसिनो कानून को निरस्त करना भी शामिल है। राज्य में कैसिनो एक्ट 1976 से अस्तित्व में है। लंबे समय से राज्य में कैसिनो शुरू करने की मांग उठ रही थी। इस मांग को लेकर कुछ लोगों ने कोर्ट का भी रुख किया था। लेकिन अब शिंदे सरकार ने कैबिनेट की बैठक में गृह विभाग ने इस कानून को रद्द करने का फैसला लिया है। इससे पहले उप-मुख्यमंत्री फडणवीस ने मानसून सत्र में इस विधेयक को रद्द करने की घोषणा की थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिंदे सरकार के इस लोकलुभावन कदम से लगभग 1,63,000 पात्र राशन कार्ड धारकों को लाभ होने की उम्मीद है। अत्यधिक गरीब लोगों के लिए बनाई गई केंद्र की अंत्योदय योजना के लाभार्थियों को भी खाद्य का यह पैकेट दिया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दूसरी पारी आधा सफर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जब अपनी दूसरी पारी का आधा सफर पूरा कर लिया है, तब इस पड़ताल का यह बिल्कुल मुफीद वक्त है कि देश की उम्मीदों पर यह सरकार कितनी खरी उतरी और शेष बचे समय में इससे क्या अपेक्षाएं रहेंगी! इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रचंड बहुमत के साथ मई 2019 में सत्ता में वापसी करने वाली मोदी सरकार का आत्मविश्वास शुरूआती महीनों में चरम पर था और उसने कई ऐसे काम किए, जो इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। खासकर, जम्मू-कश्मीर के सांविधानिक दर्जे में तब्दीली और अनुच्छेद-370 की समाप्ति का साहसिक फैसला! इसी तरह, दशकों से लटके राम जन्मभूमि विवाद में भी नई सरकार ने अतिरिक्त सक्रियता दिखाई और अंततः इसका न्यायिक निपटारा संभव हुआ। सांप्रदायिक सौहार्द के माहौल में भव्य राममंदिर का शिलान्यास भी इस सरकार की उपलब्धियों में दर्ज हुआ। जिस गति से सरकार कदम उठाए जा रही थी, ऐसा लगने लगा था कि दूसरी पारी के आधे वक्त में ही वह अपने घोषणापत्र के शायद सारे वादे पूरे कर देगी, हालांकि दिल्ली दंगे व सीएए के खिलाफ शाहीन बाग प्रदर्शन जैसी कुछ चुनौतियां भी उसके सामने आईं, लेकिन उसकी रफ्तार में सबसे बड़ी बाधा के रूप में मार्च 2020 में कोरोना महामारी आई। हालांकि, यह एक वैश्विक समस्या थी औरपूरी दुनिया में विकास का पहिया थम-सा गया था, लेकिन एक विशाल आबादी वाले देश के नाते अन्य देशों के मुकाबले भारत के लिए यह कहीं बड़ी चुनौती बनकर आई। आजाद भारत की किसी सरकार का साबका ऐसी चुनौती से नहीं पड़ा था। जाहिर है, ऐसे ही मौकों पर देश के राजनीतिक नेतृत्व की परीक्षा भी होती है। प्रधानमंत्री मोदी इस विषम समय में एक तरफ देशवासियों को धैर्य की डोर थामे रहने के लिए प्रेरित करते रहे, तो दूसरी ओर सरकार ने लगभग 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन मुहैया कराने का फैसला किया। महामारी काल में जिस तरह से गरीबों की संख्या बढ़ी, इस एक फैसले से देश के हाशिये के लोगों को खास तौर पर बड़ी राहत मिली है। बडे.पैमाने पर टीकाकरण ने भी लोगों के भरोसे को मजबूत किया। इस आधे सफर के जिस एक प्रकरण को यह सरकार कभी याद नहीं करना चाहेगी, वह निस्संदेह तीन कृषि कानूनों और किसान आंदोलन से जुड़ा है। अब जब ये कानून निरस्त हो चुके हैं, तब किसानों से अन्य मसलों पर भी उसे बात करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। बहरहाल, अब जो शेष आधा कार्यकाल बचा है, उसमें एनडीए सरकार के आगे सबसे बड़ी चुनौती रोजगार पैदा करने की होगी। चंद रोज पहले ही प्रकाशित एक सर्वे ह्यव्हाट वरीज द वर्ल्डह्ल ने इस वक्त देश की सबसे बड़ी चिंता बेरोजगारी बताई है। लगभग 44 प्रतिशत भारतीयों ने इसे सबसे बड़ी समस्या के रूप में दर्ज किया है। इसलिए सरकार को इस मोर्चे पर गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे, क्योंकि उसके पास अब कम वक्त है। उसके हक में अच्छी बात यह है कि अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर लौट रही है। मार्च 2021 में अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ह्यमूडीजह्ल ने भारत की अर्थव्यवस्था को नकारात्मक श्रेणी में रखा था, उसने अब अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए इसे उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने वाली इकोनॉमी कहा है। सरकार को इस उम्मीद को थामे अब आगे बढ़ना है।

राजनीतिक विकल्प बनाने में पेच

मोदी ने खुद को सभी जातियों, समुदायों और मुद्दों के मसीहा के रूप में स्थापित कर दिया है. इंदिरा गांधी के अलावा किसी और नेता को ऐसा स्तर नहीं मिला है...

विजेता शिकारी होते हैं। हर चुनाव के बाद कांग्रेस से लेकर भाजपा तक, राष्ट्रीय पार्टियां बड़े सपने पाले असंतुष्ट और छोटे नेताओं को अपने खेमे में लाती हैं। बंगाल में ममता बनर्जी की बड़ी जीत और हालिया उपचुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बाद केसरिया कवच-कुंडल के मुकाबले के लिए किसी योग्य व्यक्ति या गठबंधन की तलाश हो रही है। जाति व समुदाय आधारित छोटे दलों को साथ लेकर अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी की पैठ बढ़ा रहे हैं।

दीदी आक्रामकता के साथ स्थानीय नेताओं, बौद्धिकों, कलाकारों आदि को जोड़ने का बड़ा अभियान छेड़े हुई हैं, ताकि अपनी भौगोलिक एवं सांस्कृतिक स्वीकार्यता का विस्तार कर सकें। तृणमूल कांग्रेस मेघालय से महाराष्ट्र तक आसान शिकार की खोज में है। ममता बनर्जी का उद्देश्य क्षेत्रीय नेता से अखिल भारतीय राजनीतिक व्यक्तित्व बनने का है। दूसरी दफा कोई दल गंभीरता से भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी राष्ट्रीय पार्टी बनने की कोशिश में है।

एक दशक पहले एक अन्य महिला मुख्यमंत्री मायावती ने बसपा को दक्षिण समेत अनेक राज्यों में चुनाव लड़ाने का व्यर्थ प्रयास किया था। अपने बंगाली धुन के साथ ममता अलग तरह की हैं। उनके समर्थक समझते हैं कि वे मायावती की तरह अपने पिंजड़े में कैद नहीं हैं, जो अपने दिल्ली या लखनऊ के महलनुमा आवासों से शायद ही बाहर निकलती हैं। दीदी के पास राष्ट्रीय नेता होने के सभी गुण हैं। तीन बार के जनादेश के साथ उनके पास दो दशक से अधिक समय का प्रशासनिक अनुभव है। उन्हें लगता है कि बंगाल से बाहर पर फैलाने का समय आ गया है।

ममता एक लड़ाकू नेता हैं और उन्होंने खुद को भाजपा और उसके सर्वशक्तिमान व लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी के खिलाफ अकेले असली योद्धा के रूप स्थापित किया है। राष्ट्रीय पहचान के लोगों को जोड़ने के साथ वे कांग्रेस नेताओं को भी आकृष्ट कर रही हैं, जिससे अलग होकर उन्होंने 1998 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की थी।

बंगाल के चुनाव से पहले उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और अच्छे वक्ता यशवंत सिन्हा को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाने के साथ राष्ट्रीय अभियान शुरू किया था। मोदी के आलोचक रहे सिन्हा ने ममता के अदम्य साहस की खूब प्रशंसा की। बाद में भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों समेत मध्यम व निचले स्तर के कई नेता तृणमूल में लौटे, पर ऐसा लगता है कि ममता का मुख्य निशाना कांग्रेस है।

बीते सप्ताह मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा 17 में से 11 कांग्रेस विधायकों के साथ तृणमूल में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह पार्टी मेघालय, पूर्वोत्तर और शेष भारत के लिए सबसे उपयुक्त अखिल भारतीय विकल्प है। असम की असरदार युवा कांग्रेस नेता सुष्मिता देव के शामिल होने के बाद यह दूसरा बड़ा प्रकरण था। फिर गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एल फलेरो ने कांग्रेस छोड़ी और तृणमूल ने उन्हें राज्यसभा की सदस्यता देकर पुरस्कृत किया।

फलेरो के बयान से दीदी की विस्तारवादी रणनीति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 40 वर्षों तक कांग्रेस के सिद्धांतों व विचारधारा को बचाने के लिए काम किया। कांग्रेस अब शरद पवार, ममता बनर्जी और जगन रेड्डी की पार्टियों में बंट गयी है। उन्होंने कहा कि अब फिर से भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस परिवार को एकजुट करना होगा।

कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़नेवाली पूर्व अभिनेत्री नफीसा अली ने भी ममता बनर्जी को नया कांग्रेस कहते हुए तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। पूर्व कूटनीतिक पवन वर्मा, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और कुछ पूर्व नौकरशाहों जैसे भाग्य की तलाश करनेवाले भी तृणमूल कांग्रेस में चले गये हैं। वे इस पार्टी को कांग्रेस का उभरता हुआ विकल्प मानते हैं। कुछ को अहम जिम्मेदारी भी दी गयी है।

राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य रूप से व्यक्तित्व केंद्रित होते जाने के साथ भारत एक वैकल्पिक नेता की तलाश में है, जो मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा से राजनीति एवं शासन का बेहतर मॉडल दे सके। मोदी ने देश के बड़े हिस्से में सामुदायिक और जातिगत जुड़ावों को तोड़ दिया है तथा खुद को सभी जातियों, समुदायों और मुद्दों के मसीहा के रूप में स्थापित कर दिया है। इंदिरा गांधी के अलावा किसी और नेता को ऐसा स्तर नहीं मिला है।

वे केवल एक बार हारी थीं और वह भी अपने अहंकार, भ्रष्टाचार और आपात काल के कारण। वह इसलिए संभव हो सका था कि विपक्ष के पास जय प्रकाश नारायण जैसा व्यक्तित्व था, जिन्होंने कांग्रेस विरोधी सभी समूहों को एकजुट किया था। वे शीर्षस्थ कांग्रेस नेता जगजीवन राम और हेमवंती नंदन बहुगुणा को पार्टी छोड़ने के लिए तैयार कर सके थे। जेपी आंदोलन ने वैकल्पिक नेता नहीं, बल्कि सहमति के रूप में एक बेहतर व समावेशी राजनीतिक गठबंधन दिया था, जो आपसी खींचतान के कारण बिखर गया।

राजीव गांधी को बड़ा बहुमत मिला, पर पार्टी एकजुट न रह सकी और उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे। वे नेहरू-गांधी परिवार के पहले ऐसे सदस्य साबित हुए, जो दूसरा कार्यकाल हासिल नहीं कर सका। यह इसलिए हो सका कि वीपी सिंह उत्तर से दक्षिण तक, सभी दलों को स्वीकार्य थे।

वहीं से गठबंधन युग की वास्तविक शुरूआत हुई। पीवी नरसिम्हा राव की अल्पमत सरकार दल-बदल और छोटे दलों के विलय से कार्यकाल पूरा कर सकी थी। भाजपा ने कांग्रेस को अपदस्थ किया, क्योंकि अटल बिहारी वाजपेयी की करिश्मा और विश्वसनीयता के कारण 20 छोटी पार्टियां एक साथ रहीं। फिर भी, कुछ भाजपा नेताओं के अहंकार के साथ क्षेत्रीय दलों के अलग होने के कारण उनकी पार्टी हार गयी।

ममता बनर्जी जेपी, वीपी, अटल या फिर सोनिया गांधी नहीं हैं, जो एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में उभरीं और 2004 में उनके इर्द-गिर्द राष्ट्रीय वैकल्पिक आख्यान बना था। ममता एक क्षेत्रीय क्षत्रप हैं, जिन्हें अभी राष्ट्रीय जनादेश के चुंबक के रूप में सामने आना है। शरद पवार जैसा बड़ा नेता भी क्षेत्रीय छवि से मुक्त नहीं हो सके। दीदी के प्रचारक भूल रहे हैं कि 200 से अधिक सीटों पर कांग्रेस ही भाजपा को टक्कर दे सकती है। अगर वे कुछ कांग्रेस नेताओं को लुभाती भी हैं, तो इससे भाजपा विरोधी मतों में ही विभाजन होगा और वे अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मारेंगी। यदि वे कांग्रेस को साथ नहीं लेंगी, तो अपनी पार्टी को राष्ट्रीय बनाने के उनके अभियान के सफल होने पर संदेह पैदा हो सकता है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंब्रा की उलमाओं द्वारा आयोजित किया गया अमन मार्च कार्यक्रम

सभी धर्म के अमन पसंद लोगों की एक आवाज, हिंसा बंद करो कामयाब रहा जिसमें हजारों की तादाद में लोगों की उपस्थिति देखी गई

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंब्रा। जिस प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में सांप्रदायिक दंगों की घटनाएं सामने आ रही है उसको लेकर मुंब्रा शहर के तमाम उलमाओं द्वारा अमन मार्च रैली कार्यक्रम का आयोजन गत 18 अगस्त शुक्रवार दोपहर 3:00 बजे आयोजित किया गया जिसमें सभी राजनीतिक पार्टी समाज सेवी संस्था एनजीओ के लोगों की उपस्थिति देखी गई रैली कौसा स्थित शिमला पार्क से लेकर मैक कंपनी तक रखी गई थी जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई यह कार्यक्रम का प्रारंभ 3:30 बजे किया गया

दरअसल यह कार्यक्रम आयोजित करने का उलमाओं का मकसद यह था जिस प्रकार देश भर में अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों, ईसाइयों, दलितों, महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध चल रही हिंसा और अत्याचार के विरुद्ध कौसा मुंब्रा उलेमा समिति द्वारा मुंब्रा कौसा में एक शांतिपूर्ण विरोध रैली अमन मार्च का आयोजन किया गया आपको बताते चलें बीते कुछ दिन पहले देश के विभिन्न राज्यों में मणिपुर हरियाणा में अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर मुस्लिम ईसाई और महिलाओं के विरुद्ध सांप्रदायिक हिंसा की घटना हुई है मणिपुर में 300 से अधिक चर्चा और धार्मिक स्थानों को जलाकर नष्ट कर दिया गया ईसाई कुकी जनजाति के सैकड़ों लोग मारे गए कुकी जनजाति की महिला के विरुद्ध सामूहिक बलात्कार सहित शारीरिक और यौन हिंसा के कई मामले सामने आए हैं जिनमें मुख्य रूप से ईसाई समुदाय शामिल है पूरा मणिपुर राज्य मई 2023 से राज्य और केंद्र सरकारों की विफलता के कारण जल रहा है हरियाणा में विहिप और बजरंग दल जैसे दंगाइयों को नूंह और आसपास के जिलों में मुसलमान के विरुद्ध सांप्रदायिक हिंसा करने के लिए खुला छोड़ दिया गया इन दंगाइयों द्वारा सैकड़ो मस्जिदों दुकानों और घरों को जला दिया गया इन अत्याचारों के अलावा हरियाणा कि राज्य सरकार ने कानून का पालन किए बिना मनमाने ढंग से काम किया और सांप्रदायिक हिंसा के पीड़ित जो मुसलमान है एक हजार से अधिक घरों को ध्वस्त कर दिया बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े आतंकवादियों द्वारा मॉब लीचिंग के कारण मुसलमान की मौत के कई मामले सामने आए हैं किसी भी मामले में एक भी अपराधी को न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया ऐसा ही एक मामला मोनू मानेसर और उसकी साथियों द्वारा नासिर और जुनैद को जिंदा जलाने का था इस मामले में अभी तक मोनू मानेसर की गिरफ्तारी नहीं हुई है हम देश के विभिन्न हिस्सों में दलित के विरुद्ध हिंसा और अत्याचार के विभिन्न घटनाएं भी देखते हैं यह अपराधी कानून और सजा से डर के बिना ऐसी हिंसा को अंजाम देते हैं ज्यादातर मामलों में उत्पीड़न चरमपंथी दक्षिणपंथी संगठनों से जुड़े होते हैं हाल ही में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा कई महापंचायतों का आयोजन किया गया है जहां मुसलमान के सामाजिक बहिष्कार और नरसंहार का आह्वान किया जा रहा है इन सभी नरसंहार आह्वानों के परिणाम स्वरूप मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा हुई है इसकी सबसे हलिया अभिव्यक्ति जयपुर मुंबई एक्सप्रेस गोलाबारी थी जहां एक आरपीएफ जवान द्वारा मीना जनजाति के एक आरपीएफ अधिकारी के साथ तीन मुसलमानों को चुन-चुनकर गोली मार दी गई थी सभी घटनाएं हमारे देश की सामाजिक ताने-बाने शांति और सदभाव को खतरे में डालती है भारत की ताकत इसकी सांस्कृतिक विविधता और बहुलवादी समाज में निहित है और यह जरूरी है कि हम विभिन्न समुदाय के बीच समझ सहिष्णुता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रूप से काम करें किसी भी व्यक्ति या समुदाय के विरुद्ध उनकी जाति पंथ संस्कृति भाषा धर्म लिंग आदि के कारण कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए समाज में किसी भी प्रकार की हिंसा शांतिपूर्ण सह अस्तित्व और सामाजिक सदभाव के लिए एक गंभीर खतरा है हमारा राष्ट्र की प्रगति और वैशिवक शक्ति बनने के लिए एक शांतिपूर्ण और प्रगतिशील समाज का होना बेहद जरूरी है जहां हर व्यक्ति को उसकी विशिष्टता के लिए महत्व दिया जाए और उसका सम्मान किया जाए हम अपनी केंद्र और राज्य सरकार से अल्पसंख्यक समुदाय विशेष रूप से मुसलमानों ईसाइयों बौद्धों बौदधौं दलितों आदिवासियों महिलाओं और बच्चों के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए हढ़ता से मांग करते हैं साथ ही सरकारी को यह सुनिशिचत करना चाहिए यह सभी पीड़ितों को समय पर न्याय मिले और साथ ही उनका पुनर्वास और उचित मुआवजे का प्रावधान भी किया जाए बिना किसी भेदभाव के सभी अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए इस शांतिपूर्ण विरोध रैली को विभिन्न धर्मों के प्रमुख धार्मिक नेताओं का समर्थन प्राप्त है इस विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक समूहों के नेताओं का भी समर्थन प्राप्त है इस कार्यक्रम के आयोजन में सभी समुदाय के मान्यवर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए इस कार्यक्रम में मौलाना अब्दुल बासित, मौलाना मुसाब खान, सुन्नी समुदाय के मौलाना करीमुद्दीन शैख,शिया समुदाय के मौलाना अली असगर हैदरी, क्रिश्चन समाज के सेंट क्रिस्टोफर पेरिश प्रीस्ट, सेंट जोसफ, दलित समाज के राजा भैया सूर्यवंशी, भीम आर्मी के राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य अशोक तमदाडे यह तमाम मान्यवर इस कार्यक्रम में उपस्थित थे इस अमन मार्च रैली के कार्यक्रम के आयोजन में ठाणे पुलिस आयुक्तालय परिमंडल एक के उपायुक्त गणेश गावडे और मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक एन बी कोल्हटकर द्वारा अपनी पूरी टीम के साथ में कड़ा बंदोबस्त किया गया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ईडी की रडार पर शरद पवार के वफादार!

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जलगांव और नासिक की कुल छह कंपनियों पर छापेमारी की गई। सुबह चार बजे तक इन सभी जगहों पर जांच चल रही थी। मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद समेत विभिन्न जिलों से ईडी टीम की दस गाड़ियां गुरुवार को एक साथ जलगांव जिले में पहुंची। उन्होंने पूर्व विधायक मनीष जैन और पूर्व सांसद ईश्वरलाल जैन की जलगांव और नासिक में मौजूद कंपनियों पर छापा मारा और उन स्थानों पर संपत्तियों और दस्तावेजों की जांच की। प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग के अधिकारियों ने मनीष जैन से भी पूछताछ की और उनसे आवश्यक जानकारी हासिल ली। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस कार्रवाई के पीछे वजह क्या है। 60 सदस्यीय ईडी टीम ने जांच किया। इस दौरान ग्राहकों को अंदर जाने की इजाजत नहीं थी। साथ ही अंदर मौजूद कर्मचारियों को भी बाहर कर दिया गया था। सुबह चार बजे तक दोनों टीमों के अधिकारियों की विभिन्न प्रतिष्ठानों में जांच पड़ताल चल रही थी। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई स्टेट बैंक से लिए गए 600 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज से जुड़ी है। पिछले साल दिसंबर महीने में भी सीबीआई ने राजमल लखीचंद ज्वैलर्स की जांच की थी। इस बीच, ईश्वरलाल जैन की ओर से बकाया लोन में से कुल 40 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। जिस वजह से कार्यवाही रोक दी गई। हालांकि आज चल रही जांच के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

महाराष्ट्र में कैसिनो एक्ट रद्द!

मनसे कामगार सेना के अध्यक्ष मनोज चव्हाण ने कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने राज्य में कैसिनो शुरू करने की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि गोवा, सिक्किम, मकाऊ और नेपाल में कैसिनो के कारण वहां स्थानीय पर्यटन उद्योग विकसित हुआ है। उनके अलावा कई अन्य लोगों ने भी राज्य सरकार से कैसिनो खोलने की मांग की। इस मांग को लेकर कुछ लोग कोर्ट भी गए। लेकिन अब राज्य सरकार ने इस एक्ट को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के राशन कार्डधारकों को गौरी गणपति और दिवाली के लिए 100 रुपये में राशन किट बांटने का निर्णय लिया गया है। इसमें एक किलो सूजी, चना दाल, चीनी, खाना पकाने का तेल दिया जाएगा। एक बयान के मुताबिक, 'आनंदचा सिद्धा' नामक ये पैकेट केवल 100 रुपये में दिए जाएंगे। पिछले साल दिवाली के दौरान भी इसी तरह का पैकेट वितरित किया गया था, लेकिन इसके सीमित वितरण की विपक्ष ने आलोचना की थी। शिंदे सरकार के इस लोकलुभावन कदम से लगभग 1,63,000 पात्र राशन कार्ड धारकों को लाभ होने की उम्मीद है।

एक महीने बाद भी इरशालवाडी के 57 ग्रामीण है लापता

रायगढ़ जिला प्रशासन ने पहले मरने वालों की संख्या 27 बताई थी। बाद में मृतकों की सूची में दो और लोगों को जोड़ा गया। वहीं, इरशालवाडी गांव के जिन 25 लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा था, वह अब डिस्चार्ज हो चुके है। सरकार ने इस आपदा में लापता लोगों को मृत घोषित करने का निर्णय लिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 22 बच्चे अनाथ भी हुए है। खालापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें मौतों का नया आंकड़ा नहीं मिला है।

बम लेकर तैयार रहो...

यवतमाल में एक कार्यक्रम में इफ्र नेता तोडसाम ने किसानों को जिले के पालक मंत्री और विधायकों पर बम से हमला करने की नसीहत दी है। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के अभिभावक मंत्री और जन प्रतिनिधियों पर बम से हमला करने के लिए तैयार रहें। पूर्व विधायक राजू तोडसाम ने किसानों को मुआवजा देने की मांग को लेकर यवतमाल के हजारों किसानों और खेत मजदूरों के साथ मार्च निकाला। इस दौरान उन्होंने किसानों और नागरिकों को मांग न मानने वाले नेताओं पर बम से हमला करने की सलाह दी। तोडसाम की इस टिप्पणी पर हैरानी जताई जा रही हैं। सभा को संबोधित करते हुए बीआरएस नेता ने कहा, किसी को किसानों के नुकसान की परवाह नहीं है।

महाराष्ट्रः रात में घर देरी से पहुंची महिला तो 32 वर्षीय लिव-इन पार्टनर ने कर दी हत्या

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक महिला की उसके लिव-इन पार्टनर ने इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि रात में वह देरी से घर पहुंची थी। नासिक की होलाराम कॉलोनी में रहने वाली 29 वर्षीय महिला की उसके लिव-इन पार्टनर ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। नासिक पुलिस ने बताया कि मृतक आरती पवार सात साल से 32 वर्षीय आरोपी श्याम पवार के साथ रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को शाम को आरती के देर से घर आने पर श्याम को गुस्सा आ गया। पुलिस ने कहा, इससे दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। बाद में आरोपी ने चाकू उठाया और महिला पर हमला कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी श्याम पवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक महिला की उसके पति ने हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, पालघर के वाडा तालुका में एक व्यक्ति ने अपनी 32 वर्षीय पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था, इसलिए दोनों में विवाद हुआ। अधिकारी ने कहा कि हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जटशाहपुर में लगाया फ्री नेत्र जांच शिविर

70 मरीजों को निशुल्क चश्मे भी किए वितरित

मुंबई हलचल/सुरेश कोहली

पटौदी। खंड के जटशाहपुर गांव में एंटी क्राइम इंटेलिजेंस संगठन के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह लखेरा,कविता सैन और मनोज कुमार की देखरेख में सिविल हॉस्पिटल पटौदी के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.सुशांत शर्मा के नेतृत्व में एक मुफ्त आंखों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम से सेलिब्रिटी एंबेसडर,आर्टिस्ट निशा सोनी ने शिरकत की और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ सलाहकार मास्टर सुरेन्द्र

चौहान व जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक डॉ. राजू खान,बाबू खान, डॉ. दानिश रहे। शिविर का आयोजन गाँव के सरपंच यशवीर की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति चौपाल में किया गया। शिविर में आएं हुए मरीजों का तसल्लीबख्श जांच कर उनको आगे के इलाज के लिए पटौदी सिविल हॉस्पिटल भी बुलाया गया है जिनमें से 70 मरीजों को मुफ्त में चश्मे भी भेंट किए गए। बता दें की डॉ. सुशांत शर्मा प्रदेश स्तर पर अपनी निश्वार्थ सेवा से सम्मानित भी हो चुके है।

देश की आजादी की 77वां वर्षगांठ जन विकास फाउंडेशन द्वारा पूरे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मंगलवार दिनांक १५ ऑगस्ट २०२३ को देश की आजादी की ७७वां वर्षगांठ जन विकास फाउंडेशन द्वारा मुंबई के अंधेरी (पूर्व) स्थित शेरे-पंजब में पूरे हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मेघवाडी पोलिस स्टेशन के पी.एस.आई बिरजू गुसिंगे द्वारा ध्वज फहराया गया,उनके साथ पी.एस.आई मयूर इंगले पाटिल व पी.एस.आई विष्णु तिडके भी ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद पी.एस.आई बिरजू गुसिंगे का सत्कार जन विकास

फाउंडेशन के संस्थापक व अध्यक्ष राजीव वर्मा द्वारा उन्हें शॉल व पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया। तथा समाजसेवक गोपीचंद मौर्या द्वारा पी.एस.आई मयूर इंगले पाटिल का सत्कार किया गया,वहीं पी.एस.आई विष्णु तिडके का सत्कार छात्र नेता गोविंदा पांडे द्वारा किया गया, व स्थानिक उद्योगी महेश मौर्या द्वारा महादेव वखाडे का सत्कार तुलसी पौधा देकर किया गया। इस अवसर पर समाजसेवक दिपक शर्मा,नितीन तिवारी,रमेश गुप्ता व जन विकास फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष राजेश कुंजुमुंन,सदस्य सुर्यकांत शिदे,सिजो डेविड,रिजो डेविड,सुशिला कुंजुमुंन व स्थानिक सदस्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शहीद पुलिस पदाधिकारी नन्द किशोर यादव के आश्रित को एक करोड़ की राशि बतौर मुआवजा दे सरकार - डॉ अरविन्द वर्मा, चेयरमैन

खगड़िया (बिहार)। बिहार प्रदेश के समस्तीपुर जिलांतर्गत मोहनपुर ओ पी प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक नन्द किशोर यादव को बदमाशों ने गोली मारी और 15 अगस्त 2023 को शहीद हो गए। शहीद पुलिस पदाधिकारी के आश्रित परिवार को आर्थिक सहयोग पहुंचाने को निमित्त मिथिला क्षेत्र, दरभंगा के पुलिस महानिरीक्षक ने शहीद की पत्नी अमृता यादव के खाता संख्या 36341461208 में पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के वेतन से दो दिनों के वेतन समतुल्य राशि की कटौती कर भुगतान करने का आदेश दिया। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा दिए गए आदेश की सराहना करते हुए बिहारी पॉवर ऑफ इंडिया के चेयरमैन ने मीडिया से कहा बिहार सरकार को चाहिए शहीद पुलिस पदाधिकारी के आश्रित को कम से कम एक करोड़ रुपया तथा उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी देकर शाहिद का सम्मान करे। डॉ वर्मा ने बिहार के हर पुलिस कर्मियों से नम्रता पूर्वक अपील किया है कि दरभंगा पुलिस महानिरीक्षक की तरह आपलोग भी अपने अपने वेतन से दो दिनों की वेतन राशि की कटौती कराकर शाहिद के आश्रित को देकर पुण्य के भागी बनें।

विजय और प्रतिभा चमकती है FINACC 2023 के विजेता उभरे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। जैसे-जैसे चर्चाओं और बहसों की अंतिम गूँज फीकी पड़ रही है, और सौहार्द और सीखने के अंतिम क्षण हमारी यादों में बने हुए हैं, यह FINACC 2023 के सच्चे सितारों का जश्न मनाने का समय है। इस साल का कार्यक्रम, आर.ए. द्वारा आयोजित किया गया। पोदार कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स ने युवा मनों में अकाउंटिंग और फाइनेंस के प्रति जुनून जगाया और ज्ञान और प्रतिभा के रोमांचक प्रदर्शन के साथ इसकी परिणति हुई। प्री-इवेंट 'मनीबॉल' में, अकाउंटिंग क्लूज के लिए एक रोमांचक स्केवेंजर हंट, विजेता का ताज एचआर कॉलेज ने अपने गहन विश्लेषणात्मक कौशल और त्वरित सोच का प्रदर्शन करते हुए जीता। जीत की सुर्खियों में कदम रखते हुए, एचआर कॉलेज वित्तीय कौशल और रणनीतिक सोच के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करते हुए, FINACC 2023 के समग्र विजेता के रूप में उभरा। प्रथम रनर-अप का स्थान एनएम कॉलेज को प्राप्त हुआ, जिसने वित्तीय अवधारणाओं की असाधारण समझ और अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया और अच्छी-खासी मान्यता अर्जित की। एलएस रहेजा कॉलेज ने दूसरे रनर-अप का स्थान हासिल किया, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित की और अपने संस्थान को गौरवान्वित किया। जैसे-जैसे कार्यक्रम का समापन करीब आया, मंच उन नामों से जीवंत हो उठा जो FINACC के इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। आइए उन उत्कृष्ट व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित करें जिन्होंने विभिन्न आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया:

बिजनेस एनालिस्ट: एनएम कॉलेज ने अपने असाधारण साक्षात्कार कौशल का प्रदर्शन करते हुए इस कठिन दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया।

बिटवीन द लाइन्स: एचआर कॉलेज ने एक बार फिर जटिल केस अध्ययनों का विश्लेषण करने और सार्थक अंतर्दृष्टि निकालने में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करके जीत का दावा किया।

एस्प्लोरो प्रेजेंटाडो: एनएम कॉलेज ने इस आयोजन में शीर्ष स्थान हासिल करके अपने शोध और प्रस्तुति कौशल को साबित किया, जो गहन वित्तीय अन्वेषण के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करता है। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई, जो हर कार्यक्रम में अपनी ऊर्जा, उत्साह और जुनून लेकर आए। ये सामूहिक प्रयास ही हैं जो वास्तव में FINACC को एक समृद्ध और यादगार अनुभव बनाते हैं।

प्रतिष्ठित वक्ता और न्यायाधीश

इस कार्यक्रम की शोभा उन उल्लेखनीय हस्तियों की उपस्थिति से हुई जिन्होंने चर्चा और मूल्यांकन को समृद्ध किया:

वक्ता: अपस्टॉक्स के कंटेंट निदेशक मिलन बाविशी ने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की, प्रतिभागियों को उत्साह के साथ अपनी वित्तीय यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

- न्यायाधीश: कठोर निर्णय प्रक्रिया की देखरेख सम्मानित विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा की गई:

- सीए शिवम पालन, जिन्होंने बिजनेस एनालिस्ट कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए अपनी विशेषज्ञता प्रदान की।

- सीएस नेहा पटेल और सीएस अक्षय गोयनका, जिन्होंने 'बिटवीन द लाइन्स' केस स्टडी प्रतियोगिता का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया।

- सीएमए सीपीए नमन पुरी और सीए सीएफए सीएस सिद्धार्थ केडिया, जिन्होंने 'एस्प्लोरो प्रेजेंटाडो' अनुसंधान और प्रस्तुति कार्यक्रम का परिश्रमपूर्वक मूल्यांकन किया।

FINACC 2023 की सफलता प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के समर्पण का प्रमाण है। जैसे ही हम इस संस्करण को अलविदा कहते हैं, हम उत्सुकता से भविष्य की आशा करते हैं, जहां लेखांकन और वित्त अन्वेषण की भावना पनपती रहेगी। तब तक, विजय और सौहार्द के इस क्षणों को संजोया जाए, और FINACC 2023 द्वारा प्रज्वलित चिंगारी को वित्त और लेखांकन के क्षेत्र में प्रत्येक प्रतिभागी की यात्रा के मार्ग को रोशन करने दें।

केन्द्रीय रिर्जव पुलिस फोर्स ने मनाया वृक्षारोपण अभियान

मुंबई हलचल/वी पी एस खुराना

मथुरा। जनपद में 16 बटालियन केन्द्रीय रिर्जव पुलिस फोर्स जोकि श्रीकृष्ण जन्म भूमि व शाही ईदगाह मस्जिद की सुरक्षा हेतु तैनात हैं, ने राँची बांगर स्थित मुख्यालय और गणेशरा, डेयरीफार्म एवम वृन्दावन स्थित कम्पनी स्थानों पर दिनाँक 18 अगस्त 2023 को 'पर्यावरण के लिए जीवनशैली' कार्यक्रम के तहत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर श्री सुरेश कुमार पी०एम०जी०, कमाण्डेन्ट 16 वीं वाहिनी सी०आर०पी०एफ० की अगुवाई में मुख्यालय 16 बटा0 सी0आर0पी0एफ0, राँची बांगर, मथुरा और गणेशरा, डेयरीफार्म एवम्-वृन्दावन स्थित कम्पनी स्थानों में कुल 900 वृक्ष लगाये गए, जिसमें वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने हिस्सा लिया। कमाण्डेन्ट 16 वीं वाहिनी द्वारा इस अवसर पर वृक्षारोपण की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपनी जीवन शैली पर्यावरण के अनुकूल बनायें एवम अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाएँ ताकि ग्लोबल वार्मिंग एवम बढ़ते प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। ताकि आने वाली पीढियां स्वच्छ वातावरण में साँस ले सकें। इस अवसर पर श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वितीय कमान अधिकारी, श्री दीपक कुमार द्वितीय कमान अधिकारी, श्री देवेन्द्र सक्सेना उप कमा० श्री राजेश कुमार राय उप० कमा० व बल के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

प्रयागराज। इलाहाबाद टेम्पो टैक्सी ई-रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा, स्वतंत्र दिवस शुभ अवसर पर लोगों को मिष्ठान वितरण कर दीया शुभकामनाएं इस दौरान संस्थान के कर्मचारी एवं यातायात पुलिस शामिल रहे।

लालू गंगवानी की तिरंगा यात्रा की विशालता ने कानपुर में किया सबको फेल

- भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक मानवेंद्र सिंह और श्री कृष्ण तुलसी परिवार उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष चंद्र कुमार गंगवानी लालू भाई ने तिरंगा लहरा कर किया यात्रा का शुभारंभ

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 77 वें स्वाधीनता दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के श्री कृष्ण तुलसी परिवार द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान यह लगभग 15 सौ से भी अधिक दोपहिया वाहनों की यह विशाल तिरंगा यात्रा जिन भी क्षेत्रों से गुजरी वहां पर उसका जोरदार स्वागत भी किया गया। इस विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में बुलाए गए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक मानवेंद्र सिंह चौहान और श्री कृष्ण तुलसी परिवार के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्र कुमार गंगवानी लालू भाई ने तिरंगा लहरा कर किया।

हाथों में तिरंगा लहराते लगभग 1500 अधिक दो पहिया वाहनों की शताब्दी ट्रैवल्स फजलगंज से शुरू हुई यह विशाल तिरंगा यात्रा जरीब चौकी, पी रोड, बजरिया, 80 फीट रोड, गुमटी गुरुद्वारा पांच नंबर क्रॉसिंग, संत नगर चौराहा और कबाड़ी मार्केट से होते हुए फजलगंज चौराहे पर समाप्त हुई।

उत्तर प्रदेश श्री कृष्ण तुलसी परिवार उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष और जुझारू तेवरों वाले भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्र कुमार गंगवानी लालू की अगुवाई में कानपुर में पहली बार ऐतिहासिक रूप से बहुत विशाल आयोजित इस तिरंगा यात्रा का जरीब चौकी

व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय मिश्रा, गुमटी नंबर 5 व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय टंडन और खोया मंडी के व्यापारियों द्वारा भी पुष्प वर्षा करके जोरदार स्वागत भी किया गया। इस दौरान श्री कृष्ण तुलसी परिवार के संरक्षक शांति स्वरूप भटनागर, महामंत्री अरुण गुप्ता, रवि दीक्षित, राजेश तिवारी , राम लखन रावत विनय पटेल, दिनेश मौर्या ,अरविंद सिंह ,धीरज साहू , सुमित सरोज, चंद्रमणि चौबे, नीरज गुप्ता देवेंद्र सिंह बोरा, मोनेंद्र सिंह राजपूत ,हनुमान पांडे, नरेश कठेरिया, बृजेश बाल्मीकि , नीरज रक्सेल, बबुआ केसरवानी, मारुति चंदेल रमेश,अनिल निषाद , राजेश , दिनेश सुदर्शन, हरिराम गौतम और राजू मौर्य आदि मौजूद रहे।

मृत्यु भोज अभियान कार्यकर्ता सम्मेलन 20 को गंगरार में

मुंबई हलचल/संवाददाता

चितोडगढ। मृत्यु भोज गँगोज आदि सामाजिक कुप्रथाओं से गरीब, अति गरीब होते जा रहे है। सामाजिक आर्थिक, हर तरह से पिछड़ते जा रहे हैं, मृत्यु भोज, गँगोज जेसे कुपरथाओ से जमीन मकान तक बिकते जा रहे है, परमपराओ के निभाने, लोग क्या कहगें इस तरह की भावना से इस कुप्रथा को छोड नही पा रहे है,इसी पर सामाजिक जागरुकता हेतु तथा मृत्युभोज रोकथाम हेतु ऐक कार्यशाला चितोडगढ जिले के गँगरार में बड़े तालाब के पास भेरुनाथ जी सार्वजनिक सराय पर 20 अगस्त रविवार को प्रातः 10:00 बजे रखी गई है। भारतीय दलित साहित्य अकादमी के जिला अध्यक्ष मदन साली ओजस्वी एवं जागरूक टीम द्वारा अपील की जा कर बताया कि सामाजिक सुधारवादी प्रबुद्ध जन इस अभियान से अवश्य जुड़ें तथा इस कार्यक्रम में अवश्य भाग लेने की अपील की है।

बागली जिला बनाओ अभियान के समर्थन में मुस्लिम समाज रैली के रूप में पहुंचा धरना प्रदर्शन स्थल पर

मुंबई हलचल/नूर मोहम्मद शेख

बागली नगर बागली जिला बनाओ अभियान समिति विगत 12 वर्षों से सतत बागली को जिला बनाने के लिए संघर्षरत है, किंतु परंतु की स्थिति बनते बनते फिर कोई आडंबर बन जाता है, लेकिन एक बार फिर बागली जिला बनाओ अभियान समिति 9 अगस्त से नगर में फिर नए जोश और उत्साह के साथ सक्रिय नजर आरही है,समिति द्वारा स्थानीय थाना चौराहा पर धरना प्रदर्शन जारी है, अपने दुगने उत्साह के साथ जिला बनाओ समिति का हर एक कार्यकर्ता लगन शील कर्मशील प्रतीत हो रहा है, समिति का उत्साह देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर वासियों का भारी समर्थन बागली जिला बनाओ अभियान समिति को मिल रहा है, इसी को लेकर मुस्लिम समाज सदर फिरोज खान एवं नूरी मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल वाहिद नूरी साहब के नेतृत्व में मुस्लिम समाज मस्जिद मोहल्ला से रैली निकालते हुए गांधी चौक स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए , स्थानीय थाना चौराहा पहुंचा वहां पर मुस्लिम समाज जनों ने राजनीति के संत कहे जाने वाले स्वर्गीय श्री कैलाश जोशी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंच कर समिति को आश्वस्त करते हुए कहा

हम तन मन धन से बागली जिला बनाओ अभियान समिति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हुए हैं, मौलाना अब्दुल भाई साहब से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया बागली जिला बनाओ अभियान एक सार्थक पहल है, जो बागली नगर के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। एवं बागली के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उन्नति एवं तरक्की के तमाम रास्ते खुल जाएंगे। धरना प्रदर्शन स्थल पर इस दौरान सभी मुस्लिम समाज के इकबाल शाह पत्रकार नूर मोहम्मद शेख,कादर खान, जरगूल लाला ,असलम खिलजी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर रईस ठेकेदार, आशिक अली ,इमरान खिलजी अफसर मौलाना , जावेद भुट्टो आदि उपस्तीत रहें। मुस्लिम समाज जनो ने अपने विचार रखते हुए कहा बस अब तो हमारे प्रदेश के मुखिया श्री शिवराज सिंह चौहान से गुजारिश है, कि वह अपना किया हुआ वादा निभाएं और बागली को जिला बनाएं। ज्ञात रहे की अपनी चुनावी सभा में पुंजापुरा प्रवास पर आए प्रदेश के मुखिया श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बागली को जिला बनाए जाने की घोषणा मंच से की थी, नगर की जनता अपने मामा जी द्वारा किए गए वादे की याद दिलाने के लिए सतत प्रयासरत है।

मेरी माटी मेरा देश हर घर तिरंगा अभियान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। राजस्थान इंद मिलादूनबी जलसा समिति के जिला प्रभारी व दिग्गज समाज सेवक नदीम वक्ष की देखरेख मे माननीय प्रधानमंत्री के आदेश अनुसार हर घर तिरंगा हर हाथ तिरंगा अभियान मे घर घर जाकर लोगो तिरंगा झंडा बाटा गया व सभी शहर वासीयो को अपने अपने घरो पर तिरंगा लहराने कज लिए जागरूक किया अभियान 10 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक लगातार जारी रहा व दो बार शहर भर मे टु व्हीलर यात्रा करके भी लोगो को जागरूक करके हर घर तिरंगा महोत्सव उत्साह से मनाने की अपील की नदीम वक्ष ने गई साल भी हर घर तिरंगा अभियान के तहत 10 हजार से ज्यादा लोगो को झंडा देकर मनाया था व 2023 मे भी नदीम वक्ष द्वारा 10 हजार झंडे लगाये गये इस अभियान मे पुरे शहर भर के लोगो ने हिस्सा लेकर लोगो को जागरूक करके तिरंगा फहराने का आयोजन किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किसानों को सुधार के लिए बुनियादी ढांचे का उपयोग करना चाहिए: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। विदर्भ जिले में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही खेतों एवं नालों का गहरीकरण कर किसानों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का उपयोग कर खुद को बेहतर बनाना चाहिए।ऐसी अपील केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की। गडकरी ने आज मलकापुर में 800 करोड़ रुपये की लागत से नांदुरा से चिखली तक 45 किलोमीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद प्रतापराव जाधव, रक्षा खडसे, विधायक वसंत खंडेलवाल, राजेश एकडे, संजय कुटे, श्वेता महाले, आकाश फुंडकर सहित चैनसुख संचेती,

उमा तायडे, विजयराज शिंदे उपस्थित थे.गडकरी ने कहा, पिछले दस वर्षों में जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 81 किमी से बढ़कर 353 किमी हो गया है। इन कार्यों को करते समय नदी, नालों, खेतों को खोदा जा रहा है। उसी समय जब विश्व स्तरीय सड़कें बनाई जा रही थीं, इससे किसानों के लिए स्थायी सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध हुईं। उपलब्ध पानी खेती के लिए दिया जा रहा है। जिले का सिंचाई क्षेत्र बढ़ाने के लिए जिगांव परियोजना के लिए छह हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराये गये हैं। लघु सिंचाई कार्य कर जिले की सिंचाई क्षमता को 70 प्रतिशत तक बढ़ाने के सभी प्रयास किये जायें। किसानों को बायोडीजल के उत्पादन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए किसानों को न केवल अन्नदाता बल्कि ऊर्जा प्रदाता भी बनना जरूरी है। उत्पादन बढ़ाना जरूरी है क्योंकि केन्द्र सरकार ने नैनो क्षेत्र उपलब्ध करा दिया है। आने वाले समय में प्रत्येक गांव को चार-चार ड्रोन देकर छिड़काव कराया जाएगा। इससे फसलों को प्रभावी बनाना संभव हो सकेगा। इस समय श्री. गडकरी ने शेगांव से संग्रामपुर, संग्रामपुर से मध्य प्रदेश सीमा, जलगांव जामोद से पलाढ़ी तक 1700 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की।

दरभंगा AIIMS निर्माण और कलावती को मकान देने की झूठी बातें फैला रहे देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्रीः नजरे आलम

मुंबई हलचल/सलीम आजाद

मधुबनी। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा दरभंगा में AIIMS के निर्माण के झूठ पर नाराजगी जताते हुए मिडिया के सामने बरसे ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम। श्री आलम ने कहा के जिस देश का प्रधानमंत्री और गृह मंत्री संसद तक में खुलेआम झूठ बोलता हो, उस देश का भविष्य क्या होगा ये बताने की जरूरत नहीं है। भारत एक ऐसा देश है जहां के कुछ सांसदों को उनके वोटर पोस्टर लगाकर तलाश रहे हैं उसमें दरभंगा के गोपाल जी ठाकुर और मधुबनी के सांसद शामिल हैं, और मजे की बात तो यह है के जिस पार्टी के सासंद को जनता जानती और पहचानती तक नहीं है 2024 में वैसे सांसदों की कुर्सी बचाने की खातिर मोदी जी ने अपने भाषण में ही झूठ बोलकर दरभंगा में AIIMS बनवा दिया। जनता को मुर्ख समझकर राज करने वाले मोदी-शाह जी को ये समझना होगा के झूठ की दुकान ज्यादह नहीं चलती है। उन्होंने आगे कहा के देश बर्बाद करने वाले दोनों महाशय का साथ भी गोदी दलाल मिडिया बड़ी मजबूती से दे रही है। जो देश के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। इन दलाल मिडिया के कारण भारत जैसे लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश में हर जगह नफरत का जहर फैला दिया गया है। लोग एक दूसरे के धर्म के खिलाफ होते जा रहे। खुलेआम दंगा फसाद और लोगों की जानें ली जा रही हैं। उन्होंने कहा के मोदी-शाह जी ने देश को जहां पहुंचा दिया है देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। देश में धार्मिक उन्माद की राजनीति न कभी चली है और न आगे चलेगी। बुरा दिन जरूर बदलेगा और देश जीतेगा, जनता जीतेगी। नजरे आलम ने कहा के बहुत ही शर्म की बात है के बिहार के दरभंगा में एम्स बना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने भाषण में ही एम्स बना दिया है। गृह मंत्री अमित शाह कलावती से मिले तक नहीं, मोदी जी से उस गरीब को मकान, बिजली पैसा तक संसद में झूठ बोलकर दिलवा दिया। हद होती है फेंकने की, जनता को बेवकूफ बनाने की। इतनी बेशर्मी अच्छी बात नहीं है। लोग तो ऐसे भी मोदी-शाह के झूठ से परेशान हैं उसमें एक और बड़ा झूठ ये साबित करता है के मोदी-शाह की 2024 में विदाई कोई नहीं रोक सकता।

पायलट रवी दांडगे संघर्ष प्रेरणादायक : संदीप शेळके

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। बेहद विपरीत परिस्थितियों और सुविधाओं की कमी के बावजूद रवि दांडगे ने पायलट बनने का अपना सपना पूरा किया। चाहे परिस्थिति कैसी भी हो, वह लक्ष्य से नहीं भटके। उनका संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा है। इस तरह का प्रतिपादन राजर्षी शाहू परिवार के अध्यक्ष संदीपदादा शेळके ने किया है।रवि दांडगे को कमर्शियल पायलट का लाइसेंस मिलने पर 17 अगस्त को वन बुलढाणा मिशन कार्यालय

में सम्मानित किया गया। इस मौके पर संदीप शेळके खिताब कर रहे थे। इस अवसर भरत पडघान, भारत तेजनकर, गजानन सावळे, अरुण गायकवाड, गजानन वरपे, विजय खेडेकर, शिवा साळोक, रामदास सपकाळ, विजय महाजन, संदीप बांबल, काशिनाथ शेळके, उमेश इंगळे, मोहन काळे, अमोल जवंजाळ, राम अंभोरे, गणेश मोळवंडे, संतोष उबरहंडे, अमोल काकडे, ओम गायकवाड, प्रदीप जगताप, ऋषी तेजनकर उपस्थित थे।

भीलवाड़ा + राष्ट्रीय पर्व + सरकारी सम्मान = थोक बंद रेवड़ियां

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में राष्ट्रीय पर्व पर किसी भी क्षेत्र में उसकी सुयोग्य कार्य प्रणाली को लेकर सम्मानित करने की काफी पुरानी परंपरा रही हैं मगर ऐसे समय जिला प्रशासन द्वारा किसी योग्य को सम्मानित नहीं करके किसी सिफारिशी को सम्मानित कर दें तो वास्तविक सम्मान के हकदारों की आंखों में आंसू आना लाजमी है जो प्रशासन को हजारों सवालों के साथ कटघरे में खड़े करना संभव और स्वाभाविक है। भीलवाड़ा में स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस दोनों ही राष्ट्रीय पर्व पर आयोजित मुख्य समारोह में जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट व उलेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने की परंपरा चली आ रही है और इस परंपरा का मूल उद्देश्य यह है की सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं से अन्य लोग प्रेरणा हासिल कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके परंतु धीरे-धीरे जिला प्रशासन की सम्मान प्रक्रिया इतने निचले स्तर पर चली गई है कि अब यह सम्मान किसी योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि चयनकताओं की मर्जी पर आधारित हो गया है। जिला स्तर पर सम्मानित होने वाले लोग स्वयं अपनी प्रशंसा में कशीदा कढ कर सम्मानित होने के लिए प्रार्थना पत्र लगाते हैं और फिर किसी राजनेता या किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सिफारिश करवा के सम्मानित होने वाली सूची में स्थान पा जाते हैं। जिला प्रशासन भी सम्मानित होने वाले व्यक्ति की योग्यता का आंकलन किए बिना उस व्यक्ति का चयन कर लेता है जिसको उस क्षेत्र की एबीसीडी का ज्ञान भी नहीं होता ऐसे व्यक्ति के चयन से उस वर्ग का महत्व कम हो जाता है जिस सेक्टर से वह सम्मानित होने का दावा करता है,

उदाहरण के तौर पर समाज सेवा का क्षेत्र जिसमें जिला प्रशासन जिसे चाहता है उसे समाजसेवी बना देता है भले ही वह व्यक्ति समाज सेवा के नाम पर बहुत कुछ फ्रॉड या पाप कर रहा हो, इसी तरह राजकीय सेवा का सम्मान भी ज्यादातर उन लोगों को दे दिया जाता है जो अपने बड़े अफसरों की चापलूसी या राजनेताओं की भ्रष्टाचार के माध्यम से बड़ी सेवा कर रहा हो, यहा भले ही उस अधिकारी का आम जनता के साथ कटुता का व्यवहार ही क्यों ना हो, इसी तरह पत्रकारिता का क्षेत्र भी अछूता नहीं है जिला प्रशासन इस वर्ग से कई बार ऐसे नौसीखिए कथित पत्रकारों को सम्मानित कर चुका है जिसका इस क्षेत्र में कोई योगदान तो दूर-दूर तक नहीं बल्कि पत्रकारिता की परिभाषा तक नहीं जानता ऐसे कथित व्यक्तियों को पत्रकारिता के नाम पर सम्मानित कर देने से समूचे पत्रकार जगत का मान ही नहीं घटता बल्कि यूं कहें जो वास्तव में कलमकार, पत्रकार है और अपनी कलम के माध्यम से सरकार और समाज को आइना दिखा रहे हैं ऐसा कोई पत्रकार तो कभी जिला प्रशासन का सम्मान ग्रहण भी करना नहीं चाहेगा क्योंकि जो कलमकार, पत्रकार जिला प्रशासन से सम्मानित हो चुका है या अमुख अधिकारी ने उसे सम्मानित करवाने में अहम भूमिका निभाई है उस अधिकारी के खिलाफ तो वह पत्रकार कभी कलम चलाने का साहस भी नहीं कर पाएगा क्योंकि सम्मान के एहसान तले दबने वाला ऐसा व्यक्ति अपनी निष्पक्ष और निडर पत्रकारिता से दूर होता चला जाएगा, यहां पत्रकारों को सम्मानित करने की प्रक्रिया में सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसे पता होता है कि सम्मानित होने वाले व्यक्ति से इस कैटेगरी का मान बढ़ेगा या घटेगा क्योंकि कई बार देखने को मिला है की जिस व्यक्ति ने 2 या 4 महीने से पत्रकारिता शुरू की है उसे जिला स्तर पर सम्मानित करवा दिया गया, इसी तरह अभी तक डिजिटल प्लेटफार्म से जुड़े मोबाइल छाप पत्रकार जिनकी सरकार में कोई मान्यता नहीं और किसी तरह अधिकृत भी नहीं उन्हें भी जिला प्रशासन पत्रकार वर्ग की रेवड़ियां बांटने में पीछे नहीं रहता। थोक में सम्मान की रेवड़ियां बांटने से दिनों दिन सरकारी सम्मान का स्तर गिरता चला जा रहा है क्योंकि यहां सम्मानित होने वाले व्यक्ति का मूल्यांकन भी गंभीरता से नहीं किया जाता, यहां सिर्फ खेलकूद, शिक्षा और सांस्कृतिक क्षेत्र ही ऐसे हैं जिनके चयन में मनमर्जी करने का कोई अवसर नहीं मिलता इसलिए योग्यता के आधार पर ही सम्मान होगा तो उस व्यक्ति और वर्ग का मान बढ़ेगा वरना धीरे-धीरे ऐसा सम्मान लेने से लोग कतरने लगेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना अखरोट खाने से होते हैं कई फायदे

अखरोट खाना हर किसी को पंसद होता है। कई सारे विटामिन होने के कारण इसको विटामिनों का राजा भी कहा जाता है। अखरोट में प्रोटीन के अलावा कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन फास्फोरस, कॉपर, सेलेनियम जैसे पोषक तत्व पाएं जाते हैं। ये बालों और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके साथ ही इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैट एसिड शरीर को अस्थमा, आर्थराइटिस, स्किन प्रॉब्लम, एक्जिमा और सोरायसिस जैसी बीमारी से बचाता है। इसके अवाला भी अखरोट खाने से अनेक फायदे होते हैं। आज हम आपको उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे।

1. वजन घटाने में मददगार

अखरोट वजन कंटोल करने में सहायक है। रोजाना इसका सेवन करने से आसानी से वजन कम किया जा सकता है। जो लोग बढ़ते वजन से परेशान हैं उन्हें हर दिन अखरोट खाने चाहिए। लगातार अखरोट खाने से आपको कुछ दिनों में फर्क दिखाई देगा।

2. अच्छी नींद

जिन लोगों को पूरा दिन काम करने के बाद भी नींद नहीं आती उनके लिए अखरोट रामबाण का काम करता है। रात को सोने से पहले 1 या दो अखरोट खाने से शरीर रिलैक्स होता है। इससे अच्छी नींद आती है।

3. दिल के लिए बेहतरीन

इसमें पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट दिल को दरूस्त करने का काम करता है। अखरोट खाने से दिल से संबंधित समस्याएं नहीं होती।

4. डायबिटीज

डायबिटीज मरीजों को रोजाना अखरोट का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इसको खाने से डायबटीज टाइप 2 से आराम मिलता है। इसमें पाई जाने वालें पॉलीअनसेचुरेटेड और मोनो वसा सेहत के लिए अच्छी होती है।

5. डिप्रेशन से राहत

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी से 5 में 4 लोग तनाव यानि डिप्रेशन के शिकार हैं। अखरोट का सेवन करने से डिप्रशने से काफी हद तक राहत मिलती है। हाल ही में हुए एक सर्वे से पता चला है कि अखरोट के सेवन से तनाव का स्तर घट जाता है। इसको खाने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहती है।

6. गुड फॉर ब्रेन

अखरोट को ब्रेन फूड भी कहते हैं। इसका सेवन करने से उनके दिमाग को ऊर्जा मिलती है। याद्दाश्त कम होने की स्थिति में भी अखरोट का सेवन लाभकारी होता है। स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए अखरोट औषधि की तरह काम करता है। अखरोट खाने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

7. मजबूत पाचन तंत्र

इसमें मौजूद पोषक तत्व पेट को साफ करने का काम करते हैं। इससे कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या दूर होती है। रोज इसका सेवन करके पाचन क्रिया मजबूत होती है।

8. स्वस्थ जीवन

स्वस्थ और लम्बे जीवन के लिए अखरोट खाना अच्छा रहता है। इसका नियमित सेवन से जीवनकाल बढ़ता है। इससे जीवन ऊर्जा से भरपूर रहता है।

सेहत ही नहीं, चेहरे को भी निखारे शुद्ध देसी घी

स्किन शरीर का बहुत ही सेंसटिव पार्ट है जो कि धूल-मिट्टी, प्रदूषण और सूरज की किरणों से बहुत ही जल्दी प्रभावित हो जाती है। चाहे जितना भी इसे कवर कर लिया जाए फिर भी इस पर प्रदूषण, सूर्य की किरणों का बुरा प्रभाव पड़ ही जाता है। जिसे निखारने के लिए लड़कियां कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती है, लेकिन इसके लिए नींबू और चीनी से बेहतर कुछ हो भी नहीं सकता। नींबू टैंनिंग की समस्या को दूर करने के साथ त्वचा के छिद्रों से गंदगी साफ करने में भी काफी मदद करता है। आज हम आपको टैनिंग की समस्या से छुटकारा पाने के लिए नींबू और चीनी से स्क्रब बनाने का तरीका बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप निखरी हुई त्वचा पा सकते हैं।

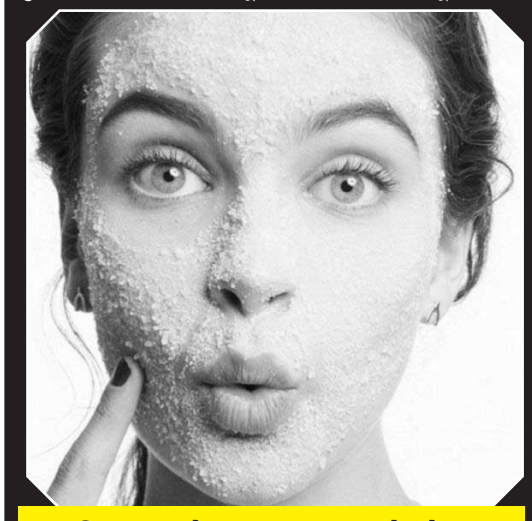

5 मिनट में Clean करें चेहरा और पाएं गजब का निखार

सामग्री

नींबू- आधा
चीनी- आधा कप
ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच
आर्गेनिक शहद- 1 बड़ा चम्मच

स्क्रब बनाने का तरीका

स्क्रब बनाने के लिए एक कटोरी में नींबू का रस और ऑलिव ऑयल लेकर पेस्ट बना लें। आप अपने अनुसार इसे गाढ़ा या पतला करने के लिए ऑलिव ऑयल को कम या ज्यादा कर सकते हैं। फिर इसमें शहद डाल कर इसे अच्छी तरह से मिलाएं और फिर इसमें चीनी मिक्स करें।

स्क्रब लगाने का तरीका

तैयार किए हुए स्क्रब को अपने चेहरे पर अप्लाई करने से पहले अपने फेस को साफ पानी से धो कर साफ कर लें। अब इससे धीरे-धीरे चेहरे पर 2-3 मिनट तक मसाज करें और फिर इसे अपने फेस पर 5 से 7 मिनट लगा रहने दें। इसके बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। अगर स्क्रब करने के बाद आपको अपना फेस ड्राई लग रहा है तो इस पर मॉश्चराइजर लगाएं।

देसी घी का इस्तेमाल लगभग हर घर में खाना बनाने के लिए किया जाता है। जहां देसी घी खाने का स्वाद बढ़ा देता है, वहीं यह चेहरे की सुंदरता भी बनाएं रखता है। घी स्किन को नमी प्रदान करके ड्राई स्किन से राहत दिलाता है। आप इसे त्वचा को रिफ्रैश करने, डार्क सर्कल हटाने, ड्राईनेस दूर करने, लिप बॉम आदि के रूप में प्रयोग कर सकते है। इतना ही नहीं, बालों के लिए भी देसी घी काफी कारगर साबित होता है। बालों से जुड़ी हर छोटी-मोटी समस्या को दूर करने के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। आइए जानते है घी को आप अपने फेस और बालों पर कैसे अप्लाई कर सकते हैं।

1. ड्राई स्किन

अगर आपकी स्किन ड्राई है तो नहाने से कुछ समय पहले शुद्ध घी की दो बूंदे लेकर चेहरे की मसाज करें। रूखी स्किन के लिए इससे बेहतर और आसान कोई तरीका नहीं हो सकता। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन पर चमक आएगी।

2. डार्क सर्कल्स

डार्क सर्कल को हटाने के लिए लड़कियां-लड़के कई तरह के ब्यूटी टिप्स अपनाते हैं। जिसका फायदा बहुत ही कम दिखाई देता है। आप देसी घी से भी इस समस्या से राहत पा सकते हैं। रात को सोने से पहले घी की कुछ बूंदे लेकर आंखों के आस-पास मसाज करें और सुबह उठ कर मुंह धो लें। रोजाना लगातार लगाने से आपको काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

3. फेस पैक बनाएं

चेहरे को निखारने के लिए लड़कियां-लड़के मार्कीट में मिलने वाले कैमिकल्स युक्त फेसपैक इस्तेमाल करते हैं। कई बार फायदा होने की बजाएं नुकसान झेलना पड़ता है। इसलिए आप घर पर बना फेसपैक अप्लाई कर सकते हैं। जिसका कोई साईड-इफैक्ट भी नहीं होगा। फेस पैक को बनाने के लिए एक बड़े चम्मच बेसर पाउडर में कुछ बूंदे घी और दूध मिला कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें। कुछ ही दिनों में आपको चेहरे पर निखार नजर आने लगेगा।

4. लिप बॉम

ज्यादातर लोग फटे होंठों को मुलायम करने के लिए लिप बॉम का ही इस्तेमाल करते हैं लेकिन आप इस समस्या से निजात पाने के लिए देसी घी भी अपने लिप्स पर अप्लाई कर सकते हैं। रात को सोने से पहले घी की कुछ बूंदे लिप्स पर लगाएं और सुबह उठते ही आप अपने होंठ मुलायम पाएंगे।

5. दो मुंहे बाल

बहुत से लोग दो मुंहे बालों की समस्या से परेशान है। इससे छुटकारा पाने के लिए हेयर स्पा या फिर इसे कटवाते हैं लेकिन इससे बेस्ट तरीका है शुद्ध देसी घी। बालों को धोने से एक घंटे पहले एक चम्मच घी को गर्म करके दो मुंहे बालों पर लगाएं। इस तरह से आप इस समस्या से बहुत जल्दी राहत पा सकते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ORGANIZED BY ABPSS

दैनिक मुंबई हलचल

POWERED BY

ARCHANA JAIN X Florian Foundation

MUMBAI HALCHAL ACHIEVERS AWARDS

CELEBRITY ACTOR
ARBAZ KHAN

SUNDAY
27TH AUGUST
2023

Venue :
MADHUBAN HOTEL, DEHRADUN

Time :
06:00 PM

Dilshad Khan - ABPSS Vice President & Director of Mumbai Halchal Daily Newspaper Subhash Chandra Satyapati Guruji & Deepak Gupta
mumbaihalchal@gmail.com www.mumbaihalchal.com +91-9821238815/9837463289